परिचय

"Films pour enfants" एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत लघु फिल्में एक शैक्षिक उपकरण हैं;
उन्हें फिल्म देखने से पहले, अधिमानतः एक वयस्क के साथ देखना चाहिए
इसे पहले से ही बच्चे के समक्ष प्रस्तुत करने में सक्षम हो, साथ ही देखने के बाद प्रतिक्रिया भी दे
उसकी भावनाओं पर, उसके सवालों पर, उसकी प्रतिक्रियाओं पर।

चयन ग्रिड

चयन ग्रिड "Films pour enfants" एसोसिएशन द्वारा उस आयु को निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंड प्रस्तुत करता है जिसके नीचे कुछ फिल्में उपयुक्त नहीं होंगी
ऐसे तत्व जो बच्चे के विकास या संतुलन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ग्रिड प्रत्येक वयस्क को यह निर्णय लेने की भी अनुमति देता है कि उसे फिल्म दिखानी है या नहीं।

दर्शकों की उम्र	0-3	3-6	6-9	9-12	12-16	16-18
देखने का समय						
लघु फिल्में (20 मिनट से कम)						
मध्यम लंबाई की फिल्में (20 मिनट से अधिक)						
फ़ीचर फिल्में (60 मिनट से अधिक)			(1)			
उपशीर्षक						
मूल संस्करण का उपशीर्षक VOST है				(2)		
थीम						
अनेक विषय			(3)			
जटिल विषय				(4)		
संदेश						
जटिल संदेश				(4)		
भ्रामक संदेश (5)						
मंचन						
जटिल मंचन और/या संपादन (6)						
अरैखिक कथन (7)						
अक्षर						
जटिल भूमिका और/या मनोविज्ञान (8)						
दृश्य ब्रह्मांड और सौंदर्यशास्त्र						
अकल्पनीय दृश्य ब्रह्मांड (9)						
ध्वनि ब्रह्मांड						
हिंसक, अजीब, सम्मोहक ब्रह्मांड (10)						
भय						
सामान्य सामग्री (11)						
प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्षित प्रतिनिधित्व (12)						
चिंता						
सामान्य सामग्री (13)						
हिंसा						
यथार्थवादी प्रतिनिधित्व (14)						
गैर-यथार्थवादी प्रतिनिधित्व (15)						
हिंसा दिखाई नहीं देती लेकिन सुझाव दिया जाता है (16)						
नग्नता						
मानवीय या मानवरूपी पात्र						
गैर-मानवीय पात्र						
हथियार						
असलियत से दूर जा रहे हथियार						
यथार्थवादी हथियार						
वयस्क दृश्य						
कामुकता						(17)
मृत्यु (18)						
ड्रग्स/शराब						
जुआ						
भेदभाव (19)						
अश्लीलता						
अश्लील दृश्य (20)						

टिप्पणियाँ

(1) सामान्यतया, 12 वर्ष की आयु से पहले 20 मिनट से अधिक का देखने का समय नहीं है
अनुशंसित। यदि बच्चा बहुत देर तक देखता है, तो उसे समझने में कठिनाई हो सकती है,
उसका ध्यान कम हो जायेगा. इसलिए फीचर फिल्म देखते समय समर्थन की सिफारिश की जाती है।

(2) यदि कहानी को संभावित से बचने के लिए संवादों की अच्छी समझ की आवश्यकता है तो कोई VOST नहीं
बच्चे की चिंता.

(3) यह दुर्लभ है कि एक फिल्म कई विषयों को दूरकर और बहुलता की "सीकार्य" डिग्री को संबोधित नहीं करती है
यह इस बात पर निर्भर करता है कि मुख्य विषय कितना स्पष्ट और स्पष्ट है।

(4) जटिलता की डिग्री उन बच्चों की समझ के स्तर पर निर्भर करती है जिन्हें इसे समझना चाहिए
संदेश की प्रकृति और अर्थ. एक वयस्क के साथ फिल्म.

(5) ऐसे संदेश जो उदाहरण के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को नकारते हैं। सभी भ्रामक संदेश अवश्य सावधान रहें
महत्वपूर्ण निम्नीकरण के लिए समय दिया जाए और किसी वयस्क की देखरेख में देखा जाए।

(6) पदानुक्रम, स्तर का संशोधन, स्थान-समय, दृष्टिकोण। जटिल संपादन या लय
तीव्र (विभिन्न दृश्यों का क्रम, प्रति मिनट बड़ी संख्या में शॉट्स, सेटिंग्स या सेस-टाइम
बहुत विविध...), अचानक या अप्रत्याशित ध्वनि या दृश्य विराम।

(7) उस स्थिति में जब घटनाओं का गैर-कालानुक्रमिक क्रम इतिहास की समझ को बाधित करता है और
संदेश.

(8) पात्रों की भूमिका और/या मनोविज्ञान विकास के अनुरूप होना चाहिए
बच्चे का मनोविज्ञान.
उदाहरण के लिए, फिल्म में एक किरदार के माता-पिता के व्यवहार में समझ से परे बदलाव
9 साल के बच्चे के मनोवैज्ञानिक विकास के अनुरूप नहीं है।

(9) दृश्य ब्रह्मांड अनुकूलित नहीं हैं क्योंकि वे हिंसक, कष्टदायक या सम्मोहक हैं।

(10) संगीत और ध्वनि प्रभाव उपयुक्त नहीं हैं क्योंकि वे हिंसक, परेशान करने वाले, सम्मोहक हैं। ध्वनि टूटती है
अचानक या अप्रत्याशित.

(11) विषय-वस्तु, कहानियाँ, पात्र, मंचन, दृश्य और ध्वनि संसार...

(12) प्रत्यक्ष या अप्रत्याशित तरीके से भय का प्रतिनिधित्व।
(हास्य, फंतासी से दूरी बनाए बिना...)।

(13) निर्दिष्ट स्कूल से पहले कोई कष्टकारी दृश्य सामग्री नहीं।

(14) बिना किसी औचित्य के शारीरिक या मनोवैज्ञानिक हिंसा जो एक प्रकृति की है, विशेष रूप से इसके द्वारा
संचयन, नाबालिगों की संवेदनशीलता को बिगाड़ना और हिंसा को अनुकूल प्रकाश में या प्रस्तुत करना
तुच्छ बनाना।

(15) गैर-यथार्थवादी प्रतिनिधित्व, पात्रों की "कार्टून शैली" उपस्थिति, एक उपस्थिति से दूर जाना
मानवीय, अतिरंजित प्रतिक्रियाएँ। पात्रों की ओर से प्रतिक्रिया का अभाव, दर्द, कष्ट.

(16) हिंसक प्रसंग (मनुष्यों के निवास स्थान पर हमला...)।

(17) गैर-स्पष्ट कामुकता का उपयोग इसकी कहानी और सौंदर्य प्रभाव के लिए किया गया है।

(18) मुख्य या वर्तमान विषय के रूप में मृत्यु।
मौत का हिंसक मंचन.

(19) ऐसी फिल्म जिसमें भेदभावपूर्ण संदेश निहित हो या ऐसी फिल्म जो भेदभाव की वकालत करती हो।
यह उस फिल्म का मामला नहीं है जो बच्चों को सोचने की अनुमति देने के लिए भेदभाव का चित्रण करती है,
इस विषय पर आलोचनात्मक दृष्टि डालने और बहस करने के लिए। कृपया ध्यान दें, सभी भेदभावपूर्ण संदेश अवश्य होने चाहिए
महत्वपूर्ण निम्नीकरण के लिए समय दिया जाए और किसी वयस्क की देखरेख में देखा जाए।

(20)अश्लीलता का प्रतिनिधित्व हर किसी में अलग-अलग होता है, लेकिन इस पर किस स्तर पर विचार किया जाना चाहिए
भाषाएँ (मुखर, हावभाव, ग्राफिक्स, आदि) साथ ही सामान्य व्यवहार के स्तर पर या यहाँ तक कि

सोचने के तरीके.

युक्तियाँ देखना

देखने की सलाह बच्चों के बौद्धिक, संवेदी, भावनात्मक और संबंधपरक विकास के अनुरूप विषयों का सुझाव है।

3 साल की उम्र पहली बार सीखने, रंग, आकार, ग्राफिक्स की शुरुआत, कोलाज, कटिंग की उम्र है, लेकिन समय, कल, आज, कल, मौसम, सप्ताह के पहले बेंचमार्क की भी उम्र है...

यह भावनाओं और कलात्मक उपकरणों से परिचय के लिए एक विशेषाधिकार प्राप्त युग है।

अलगाव (माता-पिता, डेकेयर, कंबल, आदि) / जादुई सोच / प्रतीकवाद / लगाव / मन का सिद्धांत (4 वर्ष)

दैनिक जीवन में स्वायत्तता / भोजन (फल, सब्जियाँ, आदि) / संगीत / दृश्य कला

6 वर्ष की आयु मौखिक भाषा, निर्मित प्रवचन, स्थान-समय, काल्पनिक और वास्तविक के बीच अंतर की खोज के लिए है; बच्चा सीखने, लिखने, पढ़ने, गणित के महत्व से अवगत हो जाता है

एक छात्र की मुद्रा का भी महत्व। यह अकादमिक स्वायत्तता, खेल और सांस्कृतिक खोज (किसी खेल, कला या संगीत आदि का अभ्यास करने की शुरुआत) और होमवर्क की शुरुआत का भी युग है।

सहानुभूति / भाई-बहनों के बीच स्थान / विकलांगता / कविता / सांस्कृतिक विषय / सम्मान और सहिष्णुता / पारस्परिक सहायता / पारिस्थितिकी

9 वर्ष, दृष्टिकोण, स्थान-समय, ऑन/ऑफ स्क्रीन, लय, भावनाओं और भावनाओं की अभिव्यक्ति लेकिन साथ ही कलात्मक भाषा (शब्दों को दरकिनार करना या पुन: प्रस्तुत करना) विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मृत्यु / न्याय का महत्व / मजबूत दोस्ती / बोरियत / तलाक / प्रतिस्पर्धा की चुनौतियाँ / समानता और भेदभाव

12 साल की उम्र में, बच्चा अपने माता-पिता से दूरी बनाना शुरू कर देता है और अपनी गतिविधियों में स्वतंत्र हो जाता है, अकेले स्कूल जाता है, अकेले घर लौटता है, आदि।

यह पहली इलबाज़ी का भी युग है। डिजिटल में निवेश महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

प्रेम/यौवन/कामुकता/ईर्ष्या/बीमारी

16 साल पहली ज़िम्मेदारियों की उम्र होती है. परिवार से दूरियां बढ़ती हैं और दोस्तों का महत्व अधिक हो जाता है। यह भी पहली बार का जमाना है.

राजनीतिक और सामाजिक विषय/दर्शन/स्वायत्तता/हिंसा

3-6-9-12 एसोसिएशन के सहयोग से और सर्ज टिसेरॉन, फ्लोर गुआटारी-माइकॉक्स, ओलिवियर ड्यूरिस और सोनिया विंटर की भागीदारी के साथ दस्तावेज़ तैयार किए गए।